CH. CHARAN SINGH COLLEGE OF EDUCATION & TECHNOLOGY

SADARPUR, MEERUT

B.Ed.

SESSION-20.20.-20.21.

B.Ed. Final Year

TOPIC/FILE NAME.work.with.Community file

Submitted to:
vinod & manoj Sir.

submitted by:
Shilpi Chaudhary

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC________ DATE________

S.No	Topic	Signature
1.	अभिस्वीकृति ।	
2.	समुदाय की रूपरेखा ।	
3.	भूमिका ।	
4.	समुदाय का अर्थ व परिभाषाएँ ।	
5.	समुदाय की प्रकृति व विशेषताएँ ।	
6.	समुदाय के प्रकार एवं महत्व ।	
7.	ग्रामीण समुदाय ।	
8.	नागरीय समुदाय ।	
9.	नागरीय समुदाय की विशेषताएँ व उपयोग, महत्व।	
10	शिक्षा और समुदाय ।	
11	सामुदायिक कार्य ।	
12	सामुदायिक कार्यों का महत्व ।	

Teacher's Signature..........

Vidhata High Class Products P-10

Scanned with OKEN Scanner

TOPIC________________ DATE (1)

अभिस्वीकृति

मैं अपने अध्यापक को धन्यवाद करना चाहूंगी जिन्होने मुझे इस विषय पर परियोजना बनाने का सुनहरा अवसर दिया। मैं अपने सहपाठियों व अध्यापक को भी धन्यवाद करूँगी। जिन्होने मुझे सीमित समय के भीतर इस परियोजना को अंतिम रूप देने मे मेरी बहुत मदद की है।

मैं उनको धन्यवाद करना चाहूंगी।

Teacher's Signature........................

Vidhata High Class Products P-10

Scanned with OKEN Scanner

समुदाय की रूपरेखा

- समुदाय की भूमिका
- समुदाय का अर्थ एवं परिभाषाएं
- समुदाय की प्रकृति तथा विशेषताएं
- समुदाय का महत्व एवं प्रकार
- समुदाय का उपयोग
- समुदाय के और शिक्षा
- सामुदायिक कार्य एवं उनके महत्व
- निष्कर्ष

भूमिका

समुदाय लोगों का एक ऐसा समूह जिनकी सोच व उद्देश्य एक होते हैं तथा जो किसी भी क्षेत्र की सीमा में इस प्रकार समग्र-जीवन यापन करते हैं तथा सामान्य जीवन की सभी बुनियादी शर्तों की पूर्ति में पारस्परिक सहयोग करते हैं। जिसमे कुछ मात्रा में वयं भावना भी वर्तमान होती है। समुदाय की पहचान है समान संस्कृति तथा इसके सभी सदस्य इसी संस्कृति के आदर्शों एवं मूल्यों से निर्देश ग्रहण करते हैं। समुदाय की आवश्यकता किसी भी क्षेत्र में पड़ सकती है। समुदाय का शिक्षा तथा सामाजिक जीवन से भी एक घनिष्ठ संबंध रहा है। इसी के कारण हम अपने सामाजिक जीवन को उच्च बनाने के लिए अनेक प्रकार से होने वाले सामाजिक कार्यों में अपनी भागीदारी को निश्चित कर सकते हैं।

COLOUR STAR

Topic ______ Date (3)

समुदाय का अर्थ

समुदाय शब्द लैटिन भाषा के (Com) तथा Munis शब्दों से मिलकर बना है जिसमें Com का अर्थ है Together अर्थात् एक साथ तथा Munis का अर्थ है Serving अर्थात् सेवा करना। इस प्रकार समुदाय का अर्थ एक साथ मिलकर सेवा करना है। अन्य शब्दों में हम कह सकते हैं कि व्यक्तियों का ऐसा समूह जिसमें परस्पर मिलकर रहने की भावना होती है तथा परस्पर सहयोग द्वारा अपने अधिकारों का उपयोग करता है, समुदाय कहलाता है। प्रत्येक समुदाय के सदस्यों में मनोविज्ञान लगाव तथा हम की भावना पाई जाती है समुदाय का अर्थ को और अधिक स्पष्ट करने के लिए विभिन्न विद्वानों की परिभाषायें दी हैं जो कि इसके अर्थ को स्पष्ट करती है।

परिभाषाएं

विभिन्न विद्वानों ने समुदाय की परिभाषाएं प्रस्तुत की है जो निम्नलिखित हैं।

- **मैकाइवर के अनुसार** – "समुदाय सामाजिक जीवन के उस क्षेत्र को कहते हैं जिसे सामाजिक सम्बन्धता अथवा सामंजस्य की कुछ मात्रा द्वारा पहचाना जा सके।"

- **बोगार्डस के अनुसार** → "समुदाय एक सामाजिक समूह है जिसमें हम भावना की कुछ मात्रा हो तथा एक निश्चित क्षेत्र में रहता है।"

COLOUR STAR

Topic Date (५)

◎ आगबर्न एवं निमकॉफ के अनुसार → "समुदाय किसी सीमित क्षेत्र के भीतर सामाजिक जीवन का पूर्ण संगठन है।"

◎ एच. मजूमदार के अनुसार → "समुदाय किसी निश्चित भू-क्षेत्र, क्षेत्र की सीमा कुछ भी हो पर रहने वाले व्यक्तियों समूह है जो सामान्य जीवन व्यतीत करते है।"

◎ डेविस के अनुसार → "समुदाय एक सबसे छोटा क्षेत्रीय समूह है जिसके अन्तर्गत सामाजिक जीवन के समस्त पहलुओं का समावेश हो सकता है।"

समुदाय की प्रकृति एवं विशेषताएं

– समुदाय की उपर्युक्त परिभाषाओं के आधार पर उनकी कुछ मूल विशेषताएं बताई जा सकती हैं जो इस प्रकार से है –

★ निश्चित भू → निश्चित भू-भाग का तात्पर्य यहाँ उस सीमा एवं घेरे से है जो किसी विशेष सामाजिक आर्थिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक विशेषताओं वाले नागरिकों को अपनी परिधि में सम्मिलित करता है। जब मानव परिवार एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाता है तो वह उस स्थान को प्राथमिकता देता है जहाँ उनकी तरह ही समान सामाजिक आर्थिक व धार्मिक विचारों वाले व्यक्ति निवास करते हो।

Topic Date (5)

◎ **व्यक्तियों का समूह** → समुदाय से यह तात्पर्य मानव जाति के समुदाय से है। जो अपनी सामाजिक - आर्थिक एवं सांस्कृतिक समरूपताओं के आधार पर एक निश्चित सीमा में निवास करते हैं। इस प्रकार स्पष्ट है कि समुदाय में हम मानवीय सदस्यों को सम्मिलित करते हैं न कि पशु - पक्षियों को।

◎ **सामुदायिक भावना** → सामुदायिक भावना का तात्पर्य है कि यहाँ सदस्यों के आपसी मेल - मिलाप पारस्परिक संबंध से है। वैसे तो सम्बन्ध कई प्रकार के होते हैं, लेकिन सदस्यों में एक-दूसरे की जिम्मेदारी को महसूस करना तथा निभाने से है।

◎ **सर्वमान्य नियम** - जैसे कि पहले ही बताया जा चुका है कि धार्मिक रूप से समुदाय का प्रशासन समुदाय के सदस्यों द्वारा बनाये गए नियमों पर निर्भर करता है सामुदायिक व्यवहारों को नियंत्रित करने के लिए प्रत्येक समुदाय अपनी सामुदायिक परिस्थितियों के अनुसार अनौपचारिक नियमों को जन्म देता है।

◎ **स्वतः उत्पत्ति** → वर्तमान समय में कार्यरत विभिन्न शहरीय आवासीय योजनाये आवास की सुविधा प्रदान कर समुदाय निर्माण में अवश्य ही सहायक साबित की स्थापना एवं विकास में स्वतः उत्पत्ति की प्रक्रिया महत्वपूर्ण थी।

◎ **विशिष्ट नाम** → प्रत्येक समुदाय के स्वतः विकास के पश्चात उसे एक नाम मिलता है जो समरूपता का परिचायक है तथा यह वास्तविकता

COLOUR ★★★STAR

Scanned with OKEN Scanner

Topic Date (6)

का बोध कराता है तथा व्यक्ति को संगीत कर बहुधा व्यक्तित्व का वर्णन करता है। कानून की दृष्टि से इसके कोई अधिकार एवं कर्तव्य नहीं होते।

◎ स्थायित्व :→ एक बार स्थापित समुदाय का संगठन स्थिर होता है एक समुदाय किसी समस्या के कारण ही उजड़ता है अन्यथा समुदाय सदा के लिए स्थिर रहता है।

◎ समानता → एक समुदाय के सदस्यों के जीवन में समानता पाई जाती है। उनकी भाषा रिति रिवाज, रुढ़ियों में भी समानता होती है जो सामुदायिक कल्याण एवं विकास के लिए होती है। समुदाय में समानता का पाया जाना स्वभाविक है।

समुदाय के प्रकार एवं महत्व -

समुदाय के दो प्रकार बताए गए हैं।
(1) ग्रामीण समुदाय (2) नगरीय समुदाय

ग्रामीण समुदाय -

प्रारम्भिक काल से ही मानव जीवन का निवास स्थान ग्रामीण समुदाय रहा है। धीरे-धीरे एक ऐसा समय आया जब हमारी ग्रामीण जनसंख्या चरमोत्कर्ष पर पहुंच गयी। आज औद्योगिकरण तथा शहरीकरण का प्रभाव मानव को शहर की तरफ प्रोत्साहित कर रहा है लेकिन शहरीय दूषित वातावरण की से प्रभावित लोग ग्रामीण पवित्रता एवं शुद्धता को देख ग्रामीण

COLOUR STAR

Topic Date (7)

को देख ग्रामीण समुदाय के बसने के लिए प्रोत्साहित हो रहा है ऐसे में ग्रामीण समुदाय को परिभाषित करना अत्यन्त कठिनता का विषय है।

ग्रामीण समुदाय की विशेषताएं – ग्रामीण समुदाय की कुछ ऐसी विशेषताएं होती है जो अन्य समुदाय में नहीं पाई जाती है जो आज भी कुछ सीमा तक नगर समुदाय से भिन्न है इनमें से कुछ प्रमुख है –

1- कृषि व्यवसाय
2- प्राकृतिक निकटता
3- जातिवाद एवं धर्म का अधिक महत्व
4- सरल और सादा जीवन
5- संयुक्त परिवार
6- सामाजिक जीवन में समीपता
7- सामुदायिक भावना
8- स्त्रियों की निम्न स्थिति
9- धर्म एवं परम्परागत बातों में अधिक विश्वास
10- भाग्यवादिता एवं अशिक्षा का बाहुल्य।

नगरीय समुदाय -

नगर के विकास के इतिहास से पता चलता है कि कुछ नगर तो नियोजित ढंग से बसाये गए हैं लेकिन कुछ ग्रामीण समुदाय के आकार के बढ़ने से नगर का रूप धारण कर गए हैं। शहरी समुदाय को एक सूत्र में बांधना अत्यन्त कठिन है हमने नगरीय समुदाय के बारे में पढ़ा तथा सुना है परन्तु इसे परिभाषित करना कठिन है –

COLOUR STAR

Topic Date (8)

नगरीय समुदाय की विशेषताएं

आवश्यक है कि इसकी विशेषताओं पर चर्चा की जाए। इसकी कुछ प्रमुख विशेषताएं हैं-

1. जनसंख्या का घनत्व अधिक होना
2. विभिन्न संस्कृतियों का केन्द्र
3. औपचारिक सम्बन्ध
4. अंधविश्वासों में कमी
5. अनामकता
6. सामाजिक गतिशीलता
7. आवास की समस्या
8. श्रम विभाजन
9. एकाकी परिवार की महत्ता
10. धार्मिक लगाव की कमी।

महत्व

महत्व - किसी भी व्यक्ति को अपने आप से ठीक से विकसित करने के लिए समुदाय का विशेष योगदान होता है। क्योंकि हम अपना अधिक से अधिक समय समुदाय के साथ बिताते हैं। जैसे माता-पिता बच्चों के प्रारंभिक वर्षों में एक शिक्षक के रूप में उन्हें सामूहिक आदर्श का सन्दर्भ सिखा सकते हैं। अभिभावकों को अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए एक समुदाय आधारित दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। रिश्ते के साथ-साथ बच्चे का पहला अनुभव माता-पिता और उसका परिवार घर होता है उसके बाद वो समुदाय

COLOUR STAR

Date (9)

को पहचानता है तथा वह सामुदायिक गतिविधियों में भाग लेते हैं। समुदाय के द्वारा अयोग्यता की भावना तथा विफलता की भावना को ठीक किया जा सकता है।

समुदाय का उपयोग

समुदाय का प्रयोग हम अपने दैनिक जीवन में सभी जगह करते हैं। बच्चों में अपनी दुनिया को सहज रूप से छानबीन करने की सहज प्रवृत्ति होती है। बंद इमारतों के बाहर सीखना, सीखने को रचनात्मक, आनन्द दायी और रुचिपूर्ण बना देता है। यह पाठ्यचर्या विज्ञान में विशुद्ध प्रायोगिक कार्य प्रथा का अभिन्न अंग है। इससे प्राथमिक विज्ञान में विशुद्ध प्रायोगिक कार्य करने के अवसर प्रदान होते हैं। भारत के राष्ट्रीय पाठ्यचर्या ढांचे में कहा गया है कि बच्चा कुदरती रूप से सीखता है तथा ज्ञान व समझ उसके क्रिया कलापों के परिणाम होते हैं। प्राथमिक विज्ञान को पढ़ने के लिए समुदाय और बाहरी उपयोग। विद्यार्थियों में वैज्ञानिक समझ विकसित करने विज्ञान को वास्तविक जीवन से जोड़ना। कक्षा के बाहर योजना बनाने एवं पढ़ाने के तरीकों, परिवेश के साथ विद्यार्थियों की संलग्नता बढ़ाने में भी समुदाय का ही उपयोग होता है।

शिक्षा और समुदाय

स्कूल तथा समुदाय के बीच बहुत गहरा संबंध है। शिक्षा के क्षेत्र में समुदायों का सहयोग प्राचीन काल से चला आ रहा है। आज भी है और भविष्य में भी इसके सहयोग की आवश्यकता है। समुदाय के बिना शिक्षा की व्यवस्था करना

COLOUR STAR

Topic Date (1°)

सम्भव नहीं होगा। आज हमारी शिक्षा का उद्देश्य बच्चों का शारीरिक मानसिक-चारित्रिक, नैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक विकास करना है उन्हें किसी उद्योग अथवा उत्पादन कार्य में निपुण कर लोकतन्त्र में सबल, योग्य एवं ~~सुसंस्कृत~~, सुसंस्कृत नागरिक बनाना है। देश का नैतिक पतन रोकने के लिए और धार्मिक शिक्षा और अध्यात्मिक विकास की भी आवश्यकता अनुभव की जा रही है। समुदाय हमें इन सब उद्देश्यों की प्राप्ति में सहायता प्रदान करता है। विद्यालय और समुदाय में सहयोग स्थापित करने के लिए कुछ सिद्धान्तों का ध्यान रखना पड़ेगा, जैसे-समुदाय की सेवा की भावना, विद्यालय का ज्ञान, समुदाय का ज्ञान, विद्यालय की सहायता की भावना आदि।

सामुदायिक कार्य

सामुदायिक कार्य से तात्पर्य उस कार्य से है, जिसके द्वारा समाज में जागृति तथा नवीनता का सन्देश प्रेषित किया जाता है। ~~लोगों के मध्य किसी समस्या से सम्बन्धित समाधान~~ ~~लोगों के समाज मध्य किसी समस्या से सम्बन्धित समाधान~~ लोगों के समाज में फैली कुरीतियों के विरुद्ध चेतना व सत्कर्मों की प्रेरणा देने वाले कार्य तथा अनाथों व वृद्धों की सेवा करना, परोपकार सम्बन्धी कार्य, सामाजिक उत्थान हेतु लोगों में जागृति फैलाने वाले कार्य ये सभी सामुदायिक कार्यों की श्रेणी में आते हैं।

"सामुदायिक कार्य व्यक्ति के अन्दर वह जिज्ञासा पैदा करता है कि वह समाज के उत्थान के लिए बड़े से बड़ा कार्य करने के लिए तैयार हो जाते हैं।"

COLOUR STAR

Topic Date (11)

सामुदायिक कार्य के माध्यम से व्यक्ति समाज में एक उचित तथा सम्मानित स्थान बनाता है वह राष्ट्रीय ही नहीं वरन् अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित हो जाता है। यह व्यक्ति को सम्मानित पद पर प्रतिष्ठित करता है। तथा उसे मानव से महामानव बनाता है।

सामुदायिक कार्यों का महत्व:

सामुदायिक कार्यों के कारण ही व्यक्ति स्वयं को एक उच्च तथा श्रेष्ठ नागरिक बनाकर समाज में या समुदाय में अपने स्तर को बढ़ा सकता है तथा वह एक सामाजिक व्यक्तियों की श्रेणी में आ सकता है सामुदायिक कार्यों का विशेष महत्व जो इस प्रकार है।

* मनुष्य को उसके मूल (मानवता) से जोड़ रखना।
* व्यक्तियों को सत्कर्मों की प्रेरणा देना।
* सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन हेतु आत्मविश्वास प्रदान करना।
* समाज या समुदाय के लिए कुछ कर गुजरने की प्रेरणा देना।
* जनता में जागृति एवं चेतना का संचार करना।
* समाज में व्याप्त समस्याओं तथा अन्य कठिनाइयों को दूर करके उक्त कार्य के प्रति प्रोत्साहित करना।

(signature) 20